Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• नवम्बर २०१६ • वर्ष ६७ • अंक ११
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दिपावली स्नेह मिलन समारोह में – श्री हरिमोहन बांगड़, श्री विवेक गुप्त, श्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, श्री विजय कुमार डोकानियाँ, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री सत्यनारायण अग्रवाल

अखिल भारतीय समिति की बैठक
११ दिसम्बर २०१६ को पटना में
आतिथ्य : बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

इस अंक में :

- अध्यक्षीय : विमुद्रीकरण-स्वागत योग्य पहल
- सम्पादकीय : आपके सुझाव आमंत्रित है
- दिपावली स्नेह मिलन : रपट
- प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर, झारखंड, बिहार, दिल्ली
- जन्मदिन पर विशेष : सेठ जमनालाल बजाज
- समाज सुधार - शादी विवाह दिन में हो
- विविध, सम्मेलन की संबद्ध संस्थाएँ

SUNO
TOH
APNE
DIL KI
LUX® cozi™
INNERWEAR
www.luxinnerwear.com
From the house of LUX
An ISO 9001:2008 Certified Company
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
ASIA'S MOST PROMISING BRAND - 2013-2015
MASTER BRAND 2013-2014
THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA&GCC
THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015

समाज विकास

◆ नवम्बर २०१६ ◆ वर्ष ६७ ◆ अंक ११

◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** आपके सुझाव आमंत्रित है	३
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** स्वागत योग्य पहल, पर सबकी आवश्यकताओं का रखना होगा ध्यान	५
• **दीपावली प्रीति मिलन - रपट**	७-८
• **प्रान्तीय समाचार**	११-१३
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** त्याग एवं सादगी की प्रतिमूर्ति – सेठ जमनालाल बजाज	१४-१५
• **सम्मेलन की संबंद्ध संस्थाएँ**	१६
• **लेख : डॉ. जुगल किशोर सराफ** समाज में शादी-विवाह दिन मे हो	१७
• **विविध**	१८-१९

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता** - ७०००१७

फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ

सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

आपके सुझाव आमंत्रित है

– सन्तोष सराफ

दीपावली के शुभ अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वाधान में दीपावली के दूसरे दिन ३१ अक्टूबर २०१६ को कोलकाता में दीपावली स्नेह मिलन आयोजित हुई थी। यूँ तो दीपावली स्नेह मिलन प्रत्येक वर्ष ही आयोजित होती है, इस वर्ष दीपावली के दूसरे दिन प्रीति सम्मेलन आयोजन की पुरानी परम्परा को पुर्नजीवित किया गया। मिलन समारोह में समाज बंधुओं की उपस्थिति उत्साहवर्द्धक थी। निश्चय ही सम्मेलन का समाज के साथ संपर्क दृढ़तर करने के प्रयास सफल हो रहे हैं।

सेठ जमनालाल बजाज मारवाड़ी समाज के आदर्श पुरुष थे। ४ नवम्बर उनका जन्मदिन है। वे गाँधी जी के पाँचवे पुत्र थे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन एवं गाँधीजी के विभिन्न कार्यक्रमों में कंधा से कंधा मिलाकर वर्षों काम किया। साथ ही साथ महत्वपूर्ण आवश्यक सहयोग राशि भी दी। अत्यधिक धनी होते हुए भी उनकी सादगी अनुकरणीय है। त्याग एवं वैराग्य उनमें कूट-कूट कर भरा था। उनके पद चिन्हों एवं आदर्शों पर चलने से समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियाँ स्वतः ही समाप्त हो जायेंगी। सम्मेलन भी सदा सामाजिक जीवन में पारदर्शिता रखने एवं संयम से काम करने का पक्षधर रहा है। हाल ही में भारत सरकार द्वारा ५०० एवं १००० रुपयों के नोटों के विमुद्रीकरण से उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर हमें बदलते परिवेश के साथ सामंजस्य रखते हुए हमारे मानसिकता में आवश्यक परिवर्तन लाने होंगे। ज्ञात सूत्रो से पता चला है कि पूर्व निर्धारित अनेक शादी-विवाह के कार्यक्रम सादगी के साथ सम्पन्न होने जा रहे है। अचानक ही हम हमारे सीमित मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति से ही संतुष्ट हैं। समाज में व्यापारी वर्ग की बहुतायत है। इसमें कोई शक नहीं कि इस कदम का उद्योग एवं व्यापार जगत पर खासा प्रभाव पड़ेगा। आपसी लेन-देन में कोई लाभ उठाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। धीरज एवं संयम बरतते हुए सभी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। सरकार के साथ पूरा सहयोग करते हुए आपसी व्यापारिक संबंधों को यथावत बरकरार रखने की पूरी कोशिश होनी चाहिए। इतने बड़े कदम के कारण असुविधाएँ तो स्वाभाविक है। आशा है कुछ ही दिनों में सब कुछ स्वभाविक हो जाएगा। इस कदम का मुद्रास्फिति एवं व्याज दरों पर व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि विमुद्रीकरण के दूरगामी प्रभाव होंगे।

उपरोक्त सभी विषयों पर समाज विकास के प्रस्तुत संस्करण में चर्चा की गई है। अंत में, आपने देखा होगा कि विगत संस्करणों से समाज विकास में कुछ परिवर्तन किये गये है। इस संबंध में आपके विचारों से हमें अवगत करवायें। समाज विकास को और अधिक रोचक एवं पठनीय बनाने के लिए आपके सुझाव आमंत्रित है। ★★★

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

अध्यक्षीय

५०० और १००० के नोटों का विमुद्रीकरण

स्वागत योग्य पहल, पर सबकी आवश्यकताओं का रखना होगा ध्यान

– प्रह्लाद राय अगरवाला

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाइयों,

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गत ८ नवम्बर २०१६ शाम को टीवी चैनलों के माध्यम से राष्ट्र को सीधे सम्बोधित करते हुए ९ नवम्बर २०१६ से ५०० एवं १००० रुपयों के नोटों के विमुद्रीकरण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह काले धन के खिलाफ एक कठोर कदम होगा, आतंकवादियों को वित्तीय सहयोग एवं नकली नोटों का धंधा करने वालों पर भी लगाम लगाने में सक्षम होगा।

यह पहली बार नहीं है जब भारतीय मुद्रा का विमुद्रीकरण किया गया है। जनवरी १९४६ में १००० और १०००० रुपयों के नोट हटा लिए गए थे और १९५४ में पुनः १०००, ५००० और १०००० के नोट जारी किए गए थे। जनवरी १९७८ में जनता पार्टी की सरकार ने १०००, ५००० और १०००० रुपयों के नोटों का विमुद्रीकरण कर दिया था। परन्तु आज परिस्थितियाँ अलग हैं। भारत विश्व अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और भारत सरकार की रिजर्व बैंक द्वारा जारी कुल मुद्रा में ५०० और १००० रुपयों के नोटों का हिस्सा लगभग ८६ प्रतिशत है। ऐसे में, यह एक बहुत बड़ा कदम है और इसका प्रभाव समाज के हर तबके पर पड़ेगा।

इसमें कोई शक नहीं कि सरकार के इस कदम को आम आदमी से एक उत्साहवर्धक एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। यह भी तय है कि काला धन संग्रह करनेवालों की नकेल कसेगी और जाली मुद्रा पर रोक लगेगी। साथ ही, जारी मूद्रा का एक बड़ा हिस्सा जो 'मार्केट सर्कुलेशन' में नहीं है, वह वापस आयेगा। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के लाभ भारतीय अर्थव्यवस्था को होंगे। पर साथ ही, यह भी ध्यान रखना होगा कि आम वित्तीय व्यवस्था यथाशीघ्र सम्भव हो, अपनी पूर्ववत स्थिति में आ जाये।

प्रधानमंत्री ने अपनी घोषणा के दौरान लोगों को असुविधा से बचाने के लिये कई उपायों का जिक्र किया। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री उर्जित पटेल एवं आर्थिक मामलों के सचिव श्री शक्तिकांत दास ने भी टीवी पर इन उपायों के विवरण दिए। फिर भी जिस स्तर की यह योजना है, हर वित्तीय तबके के लोगों के पास जो धनराशि ५०० और १००० के नोटों की शक्ल में है, उसके आलोक में कुछ असुविधायें स्वाभाविक हैं। १० नवम्बर २०१६ को बैंकों द्वारा पुराने नोट बदलने और जमा करने की प्रक्रिया शुरू करने के बाद से ही बैंकों में लम्बी पंक्तियाँ देखी जा रही हैं। वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने भी १२ नवम्बर २०१६ को प्रसारित एक टीवी चैनल के साक्षात्कार में स्वीकार किया कि ऑपरेशन बहुत बड़ा है और स्थिति सामान्य होने में लगभग दस दिन लगेंगे।

सरकार की इस 'गेम-चेन्जर' पहल का स्वागत करते हुए, हम आशा करते हैं कि शीघ्र ही वित्तीय व्यवस्था सुचारू हो जायेगी।

संगठन के मुद्दे पर आते हुए, आगामी ११ दिसम्बर २०१६ को पटना में, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, सम्मेलन की सर्वोच्च नीतिनिर्धारक अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक की सूचना के पत्र प्रेषित कर दिए गए हैं और समाज विकास में भी प्रकाशन हुआ है। समिति के सभी सदस्यों से मेरा अनुरोध रहेगा कि बैठक में भाग लेने का यथासम्भव प्रयत्न करें। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन हमारी सबसे सक्रिय प्रांतीय शाखाओं में एक है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में यह मेरी पहली पटना यात्रा है, अत्यंत उत्साहित हूँ। शेष शुभ!

जय समाज, जय राष्ट्र।

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectors :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
SREI
BNP PARIBAS
SREI
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Project Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO – Equipment Bank | Insurance Broking

घर में हमें मारवाड़ी होना चाहिए : हरिमोहन बांगड़

"मारवाड़ी जहाँ कहीं भी जाता है, वहीं का होकर रह जाता है, उसी संस्कृति में घुल-मिल जाता है। अपने निवास के स्थानीय लोगों के साथ समरसता की भावना रखता है और नई संस्कृति का आदर करता है, यह बहुत अच्छी बात है। तथापि, यह आवश्यक है कि हम मारवाड़ी संस्कृति की विशेषताओं को एवं अपनी सभ्यता-संस्कृति को अक्षुण्ण रखें। बाहर में हम अंग्रेजों से ज्यादा अंग्रेज हों, बंगालियों से ज्यादा बंगाली हों किन्तु घर में पक्के मारवाड़ी हों।" ये उद्‌गार हैं सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी **श्री हरिमोहन बांगड़** के जो उन्होंने ३१ अक्तूबर २०१६ को बालीगंज पार्क, कोलकाता स्थित हल्दीराम बैंक्वेट हॉल में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिमबंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **दीपावली प्रीति मिलन** समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन करते हुए व्यक्त किए। श्री बांगड़ ने 'मुख्य अतिथि' की पदवी पर भी चुटकी ली और कहा कि वे घर के सदस्य हैं, उन्हें अतिथि की संज्ञा न दी जाय। उन्होंने आगे कहा कि संस्कृति और परम्पराओं के स्वस्थ निर्वाह हेतु समाज के युवक-युवतियों को उचित मार्गदर्शन मिलना चाहिए।

समारोह के विशिष्ट अतिथि दैनिक सन्मार्ग के यशस्वी संपादक एवं सांसद **श्री विवेक गुप्त** ने कहा कि होली-दीपावली जैसे मुख्य त्योहारों पर परस्पर मेल-जोल की परम्परा का पालन करना आवश्यक है। समाज के संगठन एवं समरसता पर चर्चा करते हुए श्री गुप्त ने कहा कि बंगाल की मिट्‌टी पर हमारा भी उतना ही हक है जितना दूसरों का है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि वैमनस्यता भुलाकर परस्पर मेल-जोल बढ़ाना दीपावली का संदेश है। दीपावली को प्रकाश का पर्व बताते हुए श्री अगरवाला ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों से निकलना भी अंधकार से प्रकाश की ओर जाना है। संगठन विस्तार के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने समाज की संस्थाओं और समाज के हर तबके को सम्मेलन के साथ जोड़ने को अहम बताया और कहा कि तभी हमारी आवाज सशक्त हो सकती है।

समारोह के विशिष्ट वक्ता सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिन्तक **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि सम्मेलन के कार्यक्रमों के मुख्यतः दो उद्देश्य हैं। पहला मारवाड़ी समाज के विशिष्ट गुणों, सभ्यता-संस्कृति को बचाकर रखना और दूसरा सामाजिक खामियों को दूर करना। समरसता के विषय पर बोलते हुए श्री शर्मा ने कहा कि बंगाली समाज की एक बड़ी विशेषता है कि वे अपने समाज के उनलोगों को सम्मान देकर हीरो बनाते हैं जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की हो। रविन्द्र नाथ ठाकुर से लेकर सौरव गांगुली तक इसके तमाम उदाहरण हैं। मारवाड़ी समाज की मानसिकता इसके विपरीत है, जिसमें बदलाव की जरूरत है।

समारोह में सर्वप्रथम **श्री अमिताभ महेश्वरी** नें गणेश-वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया एवं तत्पश्चात् श्री हरिमोहन बांगड़ ने प्रथम पूज्य गणेशजी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** और राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दिनेश जैन** ने पगड़ी पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर विशिष्ट जनों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में बताया। पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री विजय कुमार डोकनिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

समारोह में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री सत्यनारायण अग्रवाल, सर्वश्री/श्रीमती/सुश्री एस. एम. चौधरी, पवन कुमार टिबड़ेवाल, संजय शर्मा, प्रेमचंद सुरेलिया, घनश्याम प्रसाद अगरवाला, एस. चौधरी, एस. एम. लोहिया, एस. एन. शर्मा, राजेश जैन, रमेश अग्रवाल, विश्वनाथ सिंघानिया, संदीप सेकसरिया, देव कुमार सराफ, सज्जन गांधी, सुरेश अग्रवाल, सुशील गुप्ता, रोहित जाजोदिया, पवन चमड़िया, एस. सी. अग्रवाल, राम कैलाश गोयनका, राजेन्द्र राजा, अरविन्द जैन, के. के. डोकानिया, आर. मंडल, लोकनाथ साहा, भगीरथ चांडक, प्रदीप मोदी, विकास जैन, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, रतनलाल चौधरी, जगदीश चन्द्र मूँधड़ा, राज कुमार अग्रवाल, ओम लड़िया, अमित मूँधड़ा, नवरतनमल सुराना, विमल चौधरी, जयकिशन झंवर, सत्यनारायण पोद्दार, बालकिशन गोयल, परमानंद जाजोदिया, जी. एल. पारीक, राजकुमार टाँटिया, श्रीगोपाल झुनझुनवाला, श्याम सुंदर खेमानी, नंदलाल सिंघानिया, ओमप्रकाश अग्रवाल, के. के. सिंघानिया, शंकरलाल सोमानी, ए. के. झुनझुनवाला, डॉ. एस. बी. नागौरी, सूरज नागौरी, भरत कुमार वैद, रमेश नांगलिया, ओमप्रकाश मस्करा, शान्तिस्वरूप जैन, मीरा गुप्ता, विश्वनाथ भुवालका, एच. आर. कानोड़िया, सी. एल. अग्रवाल, प्रदीप रावत, राजेन्द्र कुमार जैन, अभिजीत सेठ, देव जिन्दल, राजकुमार बोथरा, दीनदयाल गुप्त, मुरारीलाल धनानिया, श्याम सुन्दर बेरीवाल, भानीराम सुरेका, राजेन्द्र प्रसाद पंसारी, विश्वनाथ सेकसरिया, सुदेश अग्रवाल, किशोर बिमानी, त्रिलोक खेमका, आर. एल. पारीक, दीनदयाल जाजू, शान्तिलाल जैन, हनुमान प्रसाद मुरारका, राजकुमार सोधानी, दीपक चौधरी, बी.के. केडिया, जी. एस. अग्रवाल, बी. डी. भैया, बिनोद कुमार द्रोलिया, अमर अग्रवाल, राजकुमार सुल्तानिया, बिजय कुमार बियानी, जे. पी. चौधरी, सुरेन्द्र केयाल, राजेन्द्र बधारा, सी. एल. अग्रवाल, पी. सी. जैन, विष्णु कुमार तुलस्यान, शरद सिंघानिया, सीताराम अग्रवाल, प्रकाश कुमार पारख, ईश्वरी प्रसाद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रमोद जैन, अशोक पुरोहित, नरेश डालमिया, संजय धानुका, संजीव अग्रवाल, जे. पी. सेठिया, ऋषि बागड़ी, केदारमल झंवर, जी. मूँधड़ा, दिलीप कुमार रूँगटा, बसंत जैन, अशोक पारीक, आर.के. गुप्ता, प्रकाश किल्ला, रामगोपाल बागला, सुरेश प्रसाद लोहिया, ताराकांत चौधरी, जे. आर. भदानी, एस. के. सुल्तानिया, बी. डी. शर्मा, जी. आर. शर्मा, आनंद प्रकाश गुप्ता, सीताराम अग्रवाल, महेश केडिया, पंकज केडिया, हरीश कुमार शर्मा, बेनी गोपाल भराडिया, एम. के. गुप्ता, किशनलाल केजरीवाल, श्यामलाल डोकानिया, एस. एस. शर्मा, रंजीत अग्रवाल, मनीष सोडानी, संजय कुमार सिंह, गोविन्द अग्रवाल, पी. डी. रूँगटा, कैलाशचन्द सेठिया, एन. एम. अग्रवाल, महेन्द्र कुमार पोद्दार, महेन्द्र कुमार गुप्ता, राम अवतार अग्रवाल, जे. बी. सराफ, शंकरलार शर्मा, जे. बी. सनवतिया, रतनलाल अग्रवाल, प्रकाशचंद जैन, सुनील बेगानी, महेश लोधा, आत्माराम लोधा, रामनाथ झुनझुनवाला, मनोज सेठिया, चन्द्र चंद बंसल, आयुष पोद्दार, काशी प्रसाद ढ़ेलिया, गोपाल पोद्दार, पवन जालान, बी. एल. वर्मा, सोम मस्कारा, एम. सरावगी, गोपाल पित्ता, संजय अग्रवाल, राजेश कुमार पोद्दार, सुरेश अग्रवाल, श्री गोपाल लाखोटिया, करण शर्मा, आर. एन. बंसल, अशोक कुमार गुप्ता, मनमोहन केजरीवाल, संदीप कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मनमोहन गाड़ोदिया, बी. एस. नाहटा, बिजय गुजरवासिया, अनिल पोद्दार, रवि लोहिया, अजय वसेरा, बिनोद कुमार महेश्वरी, अरूण कुमार महेश्वरी, जे. पी. अग्रवाल, रवि सांवरिया, शशि सराफ, राजेन्द्र खण्डेलवाल, एस. गुप्ता, मुरारीलाल खेतान, जीतेन्द्र अग्रवाल, रवि अग्रवाल, ऋषभ मित्तल, संजय गोयनका, जी. एल. गोयनका, कुंजबिहारी अग्रवाल, बी. पी. जालान, एस. एन. शर्मा, रोहित कोले, विश्वनाथ बागला, रामाकांत शर्मा, रेखा शर्मा, किशन गोपाल, आनंद बाजोरिया सहित भारी संख्या में महिलाएँ-पुरूष उपस्थित थे।

ANMOL®

The Right Bite

BISCUITS

Even before

"Good morning"

we are the first thing on

a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

300 RESIDENTIAL COMPLEX

Parnasree Green

Actual View

THE PREMIUM LIFESTYLE AWAITS YOU.

After the successful completion of the Parnasree Green Phase I, SKDJ Group now launches the PG Height (Phase II).

The biggest jewel in the crown of Parnasree Green the Phase II shall consist over 90 Premium Residences spread across 10+ storeys with various modern amenities. Located on the 60 feet wide, prominent Upendra Nath Banerjee Road it shall be the Largest Complex with State-of-the-art security in Parnasree.

Close to New Alipore, Parnasree Green Phase II is well connected to Schools, Hospitals, Metro and Multiplexes etc. with public transport facilities right at the doorstep.

Swimming Pool | Community Hall | Indoor Games
Multi-gym | Children's Play Area | Jogger's Track

Marketed By
SOMANI REALTORS™
Home for All

Developed By
SKDJ Group

Contact us:
033 6459 5959
97 4848 5858

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन गुवाहाटी गौशाला प्रांगण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में समाजबंधुओं द्वारा आपसी मिलन व भाईचारे का कार्यक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात शाम ६ बजे से सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में कर आयुक्त अनुराग गोयल, पुलिस महानिदेशक (होम गार्डस एवं सिविल डिफेंस) प्रदीप कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस महानिर्देशक (कानून व व्यवस्था) मुकेश अग्रवाल उपस्थित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्ज्वलन का कार्यक्रम अतिथियों के कर कमलों से संपन्न हुआ। तदुपरांत प्रांतीय महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन की तरफ से अतिथियों को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात अतिथियों ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों द्वारा ज्योति जाजोदिया, अंकुर अग्रवाल एवं संगीतज्ञ सुबोध शर्मा को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने इस कार्यक्रम को सामाजिक एकता का प्रतीक बताते हुए दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित की। साथ ही सम्मेलन के उद्देश्यों की संक्षिप्त में जानकारी दी। सीकरिया ने कार्यक्रम को शहीद जवानों को समर्पित करते हुए कहा कि सरहद पर तैनात जवानों की वजह से ही हम सभी आन, बान व शान से न केवल जी रहे हैं, बल्कि इस प्रकार के आयोजनों को कर पाने में सफल हुए हैं। उक्त कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) राजकुमार तिवाड़ी ने किया। सभा को सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्ष मंजू पाटनी तथा मंत्री वंदना बिहानी ने भी संबोधित किया। अंत में संपत मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

मारवाड़ी समाज का दीपावली मिलन समारोह ३१ अक्टूबर २०१६ को राँची स्थित मारवाड़ी भवन में आयोजित किया गया, जिसमें समाज के प्रमुख संस्थाओ ने भागीदारी निभायी। मिलन समारोह में समाज के लगभग ८०० सदस्य सम्मिलित हुये।

मिलन समारोह का शुभारम्भ विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्षों एवं मंत्रियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उपस्थित सदस्यों के मनोरंजन हेतु कई कार्यक्रम किये गये।

समारोह में उपस्थित समाजबन्धुओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं एवं अपने से बड़ो को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालक-बालिकाओं की उपस्थिति बहुत अच्छी थी। कार्यक्रम के बाद आतिशवाजी का एवं अल्पाहार की सुन्दर व्यवस्था थी।

समाचार सार

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष चन्दूलालजी भालोटिया के निधन पर जमशेदपुर में शोक-सभा आयोजित की गई।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियाँ

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिनांक २ अक्टूबर २०१६ बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सभागार में महाराजा अग्रसेन जी की जयन्ती मनाई गई। उक्त अवसर पर शहर के काफी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित होकर पूजा अर्चना की। बेगूसराय शाखा द्वारा दिनांक १२ अक्टूबर २०१६ को अग्रसेन जयन्ती का भव्य आयोजन किया गया।

दिनांक १६ अक्टूबर २०१६ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा स्थानीय न्यू पटना क्लब के प्रांगण में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दीपावली उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

अपने उद्घाटन भाषण में प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कु. झुनझुनवाला ने कहा कि बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने की परम्परा रही है। उन्होंने इस अवसर पर दीपावली की अग्रिम शुभकामना दी।

उक्त अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सोने-चाँदी से जगमगाती हॉउजी, मजेदार खेल तमाशे, महिलाओं एवं बच्चों की प्रतियोगिता, स्वादिष्ट व्यंजन मुख्य आकर्षण थे। शहर के लगभग तीन हजार परिवारों ने इसका लुफ्त उठाया।

दिनांक २३ अक्टूबर २०१६ को मुजफ्फरपुर शाखा के आतिथ्य में स्थानीय श्री सत्यनारायण समिति भवन, पुरानी बाजार मुजफ्फरपुर में कार्यकारिणी की षष्टम बैठक एवं तिरहूत प्रमंडल का प्रमंडलीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ।

उक्त अवसर पर शाखा की ओर से प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला को अंग वस्त्र, पगड़ी, फल की टोकरी, राजस्थान के शौर्य तलवार देकर तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी को अंग वस्त्र, फल की टोकरी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश की ओर से श्री नवल किशोर सुरेका, श्री विजय कुमार लोहिया को अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह तथा फल की टोकरी देकर सम्मानित किया गया।

प्रमंडलीय अधिवेशन में मुजफ्फरपुर शाखा की ओर से श्री रामजी भरतिया, श्री फतह चन्द चौधरी, डा. रमेश कुमार केजड़ीवाल एवं श्री रामौतार नथानी को अंग वस्त्र एवं माल्यार्पण द्वारा सम्मानित किया गया।

बैठक एवं अधिवेशन में काफी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

अन्न सेवा कार्यक्रम

पीड़ित मानवता को समर्पित बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पटना नगर शाखा द्वारा दिनांक १३ नवम्बर २०१६ को एक्जीविशन रोड चौराहा पर अन्न सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत भंडारा का आयोजन किया गया। जनसेवा के इस कार्यक्रम में लगभग १८०० लोगों को शुद्ध और गर्म भोजन करवाया गया एवम शीतल जल की व्यवस्था की गई।

अन्न सेवा का यह कार्यक्रम हर महीने में समाज बन्धुओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। शाखा का सातवाँ अन्न सेवा का कार्यक्रम प्रसिद्ध समाजसेवी श्री बजरंग लाल मोटानी के सहयोग से सम्पन्न हुआ। बजरंग लाल जी को हार्दिक धन्यवाद एवम् सहयोग हेतु आभार।

कार्यक्रम के आयोजन में शाखा मंत्री श्री रंदीप झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष श्री दिलीप मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी, प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल झुनझुनवाला, निवर्तमान शाखाध्यक्ष श्री राकेश बंसल, शाखा सदस्य सर्वश्री नवीन मोटानी, मधुसुदन टिबड़ेवाल, नवीन टिबड़ेवाल, शशी गोयल, सुशील सुन्दरका, राजेश अग्रवाल, द्वारका प्रसाद तोदी, रामावतार पोद्दार, महेश जालान, विनोद तोदी, अमित जालान, ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, विशाल टेकड़ीवाल, अनिल गुप्ता, गिरधारी झुनझुनवाला, विष्णु सुरेका, महेश शर्मा आदि अनेक महानुभावों ने उपस्थित होकर जनसेवा के इस पुनीत कार्य में सहयोग दिया।

मारवाड़ी संस्कारों की धरोहर को संजोना जरूरी : श्याम जाजू

"आज की आवश्यकता है कि हम मारवाड़ी संस्कारों को समझें और अपनी गौरवपूर्ण परम्पराओं का पालन करें और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण रखें। ये विचार हैं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अपाध्यक्ष श्री श्याम जाजू के जो उन्होंने सम्मेलन की दक्षिण दिल्ली शाखा द्वारा आयोजित दिवाली स्नेहमिलन व सम्मान समारोह के अवसर पर व्यक्त किए। समारोह ३१ अक्तूबर २०१६ को राजोकरी फ्लाईओवर, दिल्ली के समीप स्थित दी वृन्दावन ग्रीन्स में मारवाड़ी युवा मंच एवं वैश्य फेडरेशन के साथ मिलकर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ गोवर्धन पूजा के साथ हुआ। एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य रूप से नृत्य, गायन, डांडिया व रैंप वाक थे। सहभागियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर **डॉ. एस. एन. चाण्डक** (चेयरमैन, शील बायोटेक लिमिटेड), **श्री एस. एन. अग्रवाल** (चेयरमैन, कॉन्टिनेंटल ग्रुप), **श्री संतोष मित्तल** (चेयरमैन, सी.एस.ए. ग्रुप) सहित कुछ समाजबंधुओं को "समाज गौरव" की उपाधि से सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष **श्री रामनिवास गोयल** ने देश के उत्थान में मारवाड़ी समाज के अद्वितीय योगदान की चर्चा की। साथ ही, उन्होंने अपनी मातृभाषा के प्रयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इस अवसर पर उपस्थित अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष **श्री रवि अग्रवाल**, सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री ओंकारमल अगरवाला** एवं दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने सभी को दीपावली की शुभकामनायें दीं एवं सम्मेलन की दक्षिण दिल्ली शाखा को उनके कार्यक्रमों एवं सक्रियता हेतु बधाई दी। उपस्थित महिला - पुरूषों ने भी दक्षिण दिल्ली शाखा के **स्थायी 'गौ सेवा' कार्यक्रम** की सराहना की तथा कुछ समाजबंधुओं ने इस पुण्यकार्य में सहयोग भी दिया। इस विशाल आयोजन में उपस्थित श्री मंगतराम सिंघल, श्री महेंद्र सांघवी, डॉ. नवरंग सैनी, श्री पवन सिंघल, श्री नरेश सकलेचा, श्री एस. आर. जैन, श्री डी. के. अग्रवाल, श्री नवनीत सुरेका व आयोजक संस्थाओं के पदाधिकारियों का शाखा के संरक्षक श्री आर. ए. किला जी ने स्वागत किया।

शाखा अध्यक्ष श्री विनोद किला ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु श्री बिरेंद्र बाजोरिया, श्री मनोज थरड, श्री सुरेश दुगड़, श्री प्रदोष शर्मा, श्री सुंदर लाल शर्मा, श्री विकास गोगासरिया, श्री विनीत अग्रवाल, श्री प्रमोद अग्रवाल, श्री सुशील सारडा, श्री राकेश सराफ, श्रीमती अनिता चौधरी आदि के प्रयासों की सराहना की।

जन्मदिन (४ नवम्बर) पर विशेष

त्याग एवं सादगी की प्रतिमूर्ति
सेठ जमनालाल बजाज

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

"आज आप मुझपर अत्यधिक नाराज हो गए थे। यह भगवान की इच्छा थी। आपको नाराज होने का हक भी था क्योंकि आपने मुझे गोद लिया था। यह आपकी भूल नही थी। यह भूल उनकी थी जिन्होने मुझे गोद दिया था। रूपया-पैसा आपका है, इससे आप जो चाहे कर सकते हैं। आपने जो भी धन मुझपर खर्च किया है, उसका मुझे क्षोभ है। अब मैं आपका धन स्पर्श भी नही करुंगा। आप पर मेरा कोई अधिकार नही है। मैं आपसे विनती करूंगा कि आप मेरी किसी प्रकार की चिंता न करे। भगवान आपको अनेक वर्षो तक जीवित रखे। मैं जहां भी रहूंगा, आपके मंगल के लिए प्रार्थना करूंगा। आपको गुस्सा दिलाने के लिए मुझे माफ कर दें। मै यह आशा करता हूँ कि आप यह कभी विश्वास नही किये होंगे कि मैने रुपये पैसे के लिए आपकी सेवा की है। अगर ऐसा आपके मन मे हो तो उसे निकाल दीजिये। मुझे धन की परवाह नही। मैं प्रार्थना करता हूँ कि मै भगवान का नाम कभी न भूलूँ। केवल भगवान ही मुझे इस जन्म एवं आगे के जन्मों में प्रसन्न रख सकते हैं। मैं प्रार्थना करता हूँ कि मेरे चले आने से आप दु:खी न हों और भगवान का सदैव स्मरण करते रहें। सभी सांसारिक संबंध खोखले हैं। सांसारिक सम्पत्ति मनुष्य को अपने शिकंजे मे कस कर रखती है। भगवान को धन्यवाद है कि आज आपने मुझे इस शिकंजे से बाहर कर दिया। आप निश्चिंत रहे कि जो भी कुछ आपका है उसमे अपना हक मांगने के लिए मैं कानून का दरवाजा नही खटखटाऊँगा। स्टाम्प पेपर पर हस्ताक्षर करके मैने आपको इस भार से मुक्त कर दिया है। आपकी सम्पत्ति पर मेरा कोई हक नही है जिसके कारण आपको मुझे कुछ देना पड़े। अपने धन को आप दान-धर्म मैं लगाएँ! मेरे तन पर जो कपड़ा है, उसके अतिरिक्त मैने आपके घर से कुछ भी अतिरिक्त नहीं लिया है।" यह बातें युवा जमना लाल बजाज ने अपने दादाजी श्री बछराज जी को एक पत्र में घर छोड़ते वक्त लिखा था। हुआ यों कि दादाजी ने अपने पोते को एक पार्टी मे कीमती आभूषण नही पहन के जाने पर डांट-फट कार लगाई एवं युवा जमनालाल ने विद्रोह कर दिया एवं घर छोड़कर चला गया। यह बात अलग है कि दादाजी ने अपने पोते को खोज निकाला एवं वापिस घर ले आये। इस पत्र में व्यक्त विचारों से जमनालालजी के व्यक्तित्व की झलक मिलती हैं।

सेठ बछराज जी बजाज वर्धा के धनी व्यक्ति थे। उनके पुत्र का असामयिक निधन हो गया। वंशबेल को चलाने के लिए अपने दूर के रिश्तेदार के चार वर्ष के जमनालाल को उन्होंने गोद ले लिया। अपने जीवनकाल में महात्मा गांधी ने ट्रस्टीशिप के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था। उसके तहत व्यापारी द्वारा न्याय संगत एवं पारदर्सी तरीके से व्यवसाय करते हुए अर्जित आय का एक वड़ा हिस्सा समाज के भलाई के लिए न्यायोचित ढंग से व्यय करते की बात कही गयी थी। महात्मा गांधी सेठ जमनालाल बजाज को इस सिद्धांत के वास्तविक रुपायन का प्रतीक मानते थे। अपने पितामह से उन्हें काटन का व्यवसाय विरासत में मिला था। कठिन परिश्रम एवं कुशाग्र बुद्धि के द्वारा उन्होंने इस्पात, चीनी एवं अन्य क्षेत्रों मे विस्तार किया। व्यवसाय मे उन्होने कभी भी सिद्धांत, न्याय एवं पारदर्शिता से मुख नही मोडा। सन् १९२२ में दीपावली पूजन करते हुए अपने खाता बही में उन्होने लक्ष्मी जी से प्रार्थना करते हुए लिखा कि मुझे ईमानदारी से व्यवसाय चलाने की सदबुद्धि दें एवं व्यापार में उन्नति के साथ साथ उसे आप देश एवं जरुरतमंद लोगों के हित में खर्च करने की प्रेरणा दे। यह सिर्फ उनका इरादा ही नही था। उसे उन्होंने सच करके दिखलाया। उपलब्ध आंकड़ो के अनुसार उन्होने उस समय २५ लाख रुपयों का दान किया। आचार्य जगदीश चन्द्र बसु को उनके वैज्ञानिक कार्य के लिए ३१ हजार का अनुदान दिया। पंडित मदन मोहन मालवीय के कहने पर बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के लिए ५१ हजार का दान दिया। एक ऐसा अवसर भी आया जब उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति एवं आय का ट्रस्ट बनाकर स्वयं ट्रस्टी बनकर कार्य करने का प्रस्ताव दे दिया था। किंतु गांधीजी ने जल्दीबाजी से कोई भी निर्णय लेने से उन्हे रोका एवं जिस प्रकार से वे कर्म कर रहे थें, उसी प्रकार से करते रहने का सुझाव दिया। जमना लाल जी

त्याग, अनासक्ति एवं सादा जीवन उच्च-विचार की प्रतिमूर्ति थे। अपने कार्यप्रणाली से उन्होने यह स्थापित कर दिया कि न्यायसंगत ढंग से व्यापार करके भी धन कमाया जा सकता हैं। व्यक्तिगत जीवन मे उन्होंने सादगी के प्रतिमान स्थापित किये थे। अपनी पुत्री कमला का विवाह कम से कम खर्चे मे उन्होंने वर्धा आश्रम मे किया। सन् १९४२ में हरिजन पत्रिका मे गांधीजी ने लिखा था, **"यह सच है कि धनी व्यक्ति स्वयंपर आवश्यकता से अधिक खर्च करते हैं। ऐसा नही होना चाहिए। किन्तु जमनालालजी किसी भी मध्यम श्रेणी या स्वयं के समकक्ष श्रेणी के व्यक्ति से कही कम स्वयं पर व्यय करते थे। १५.२.१९४२ मे हरिजन में गांधीजी ने लिखा – जमनालालजी की सादगी उनकी ही थी। अपने लिए जो भी घर उन्होने बनाया, वे सब धर्मशाला बन गए। सत्याग्रही के रूप से उनका अवदान उच्च कोटि का था। राजनैतिक विचार विमर्श में उनके विचार दृढ़ रहते थे। उनके फैसले समीचीन होते थे। त्याग की भावना इन सब गुणों पर एक मुकुट की तरह शोभायमान थी।**

ख्यातिप्राप्त विचारक एवं राजनैतिक नेता डाः राम मनोहर लोहिया भी उनकी सादगी से अत्यधिक प्रभावित थे।

अत्यंत भोगवाद एवं स्वंछदता की ओर अग्रसर हो रहे समाज को आज जमनालालजी के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। दुःख की बात है कि आज की पीढ़ी जमनालालजी एवं उनके आदर्शो, अवदानों से अनभिज्ञ हैं। वे हमारे समाज के आदर्श पुरुष थे। उनके बताए हुए मार्ग पर चलकर हम फिर से अपने खोये हुए गौरव को प्राप्त कर सकते हैं। रसातल की ओर जाते समाज तंत्र को हम पुर्नजीवित कर सकते है। अपने विचारों, कर्मों एवं जीवन के माध्यम से न सिर्फ वे समाज के गौरव है, वल्कि पूरे देश के गौरव है। उनके जन्मदिन के अवसर उस पुण्यात्मा की स्मृति को कोटि कोटि नमन।

कविता

जीवणों दौरो हौग्यो

घणां पालिया शौक जीवणों दोरो होग्यो रे
देवे राम नें दोष जमानों फौरो होग्यो रे
च्यारानां री सब्जी ल्यांता आठानां री दाल
दोन्यूं सिक्का चाले कोनीं भूंडा होग्या हाल
च्यार दिनां तक जान जींमती घी की भेंती धार
एक टेम में छींकां आवे ल्याणां पडे उधार
जीवणों दोरो.....

मुंडे मूंड बात कर लेंता नहीं लागतो टक्को
बिनां कियां रिचार्ज रुके है मोबाईल रो चक्को
लालटेन में तेल घालता रात काटता सारी
बिजली रा बिल रा झटका सूं आंख्यां आय अंधारी
जीवणों दोरो.....

लाड कोड सुं लाडी ल्यांता करती घर रो काम
पढी लिखी विनणियां बैठी दिनभर करै आराम
घाल पर्स में नोट बीनणीं ब्यूटी पारलर जावे
बैल बणें घाणीं रो बालम परणीं मोज उडावे
जीवणों दोरो.....

टी वी रा चक्कर में टाबर भूल्या खाणों पीणों
चौका छक्का रा हल्ला में मुश्किल होग्यो जीणों
बिल माथै बिल आंता रेवे कोई दिन जाय नीं खाली
लूंण तेल शक्कर री खातर रोज लडै घरवाली
जीवणों दोरो.....

एक रुपैयो फीस लागती पूरी साल पढाई
पाटी बस्ता पोथी का भी रुप्या लागता ढाई
पापाजी री पूरी तनखा एडमिशन में लागे
फीस किताबां ड्रेसां न्यारी ट्यूशन रा भी लागे
जीवणों दोरो.....

सुख री नींद कदै नीं आवे टेंशन ऊपर टैंशन
दो दिन में पूरी हो ज्यावे तनखा हो या पैंशन
गुटखां रा रेपर बिखरयोडा थांरी हंसी उडावे
रोग लगेला साफ लिख्यो पणं दूणां दूणां खावे
जीवणों दोरो.....

पैदल चलणों भूली दुनियां गाडी ऊपर गाडी
आगे बैठे टाबर टींगर लारै बैठे लाडी
मैडम केवे पीवर में म्हें कदै नीं चाली पाली
मन में सोचे साब गला में केडी आफत घाली
जीवणों दोरो.....

चाऐ पेट में लडै ऊंदरा पेटरोल भरवावे
मावस पूनम राखणं वाला संडे च्यार मनावे
होटलां में करे पार्टी डिस्को डांस रचावे
नशा पता में गेला होकर घर में राड मचावे
जीवणों दोरो.....

अंगरेजी री पूंछ पकडली हिंदी कोनीं आवे
कोका कोला पीवे पेप्सी छाछ राब नहीं भावे
कीकर पडसी पार मुंग्याडो नितरो बढतो जावे
सुख रा साधन रा चक्कर में दुखडा बढता जावे
जितरी चादर पांव पसारो मन पर काबू राखो
"पांडिया" भगवान भज्यां ही भलो होवसी थांको
जीवणों दौरो होग्यो रे

सम्मेलन की संबंद्ध संस्थाएँ

सुजानगढ़ नागरिक परिषद

श्री नवरतनमल सुराना	–	अध्यक्ष
श्री निर्मल भुतेड़िया	–	उपाध्यक्ष
श्री प्रसन्न लोहिया	–	उपाध्यक्ष
श्री अशोक पसारी	–	उपाध्यक्ष
श्री रामअवतार जड़िया	–	उपाध्यक्ष
श्री भागीरथ चांडक	–	महामंत्री
श्री दीनदयाल जाजु	–	संयुक्त महामंत्री
श्री भंवरलाल गोपालपुरिया	–	संयुक्त महामंत्री
श्री भीकमचंद मिश्रा	–	कोषाध्यक्ष

सुजानगढ़ नागरिक परिषद की स्थापना हुए ५० साल हो गये है। प्रमुखतः सर्वश्री मुरलीधर सराफ, किशनलाल लोहिया, सूरजमल कनाई, चम्पालाल सेठिया, मन्नालाल काला, नवरतनमल सुराना, नथमल झँवर, मिश्री लाल काला, मालचन्द भराडिया, ओंकारमल जाजोदिया, हंसराज डागा, गिरधारीलाल लोढ़ा प्रभृति के भगीरथ प्रयासों से परिषद ने कतिपय अत्यावश्यक निम्नलिखित कार्य सुसम्पन्न किए।

(१) **पेयजल आपूर्ति योजना** : श्री सत्यनारायण खेतान परिवार के सौजन्य से "खेतान राजकीय जल प्रदाय" का निर्माण करवाया गया, जिससे सुजानगढ़ नगर में निरन्तर पेय जल की आपूर्ति हो रही है।

(२) **शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा** : शिक्षा के क्षेत्र में कॉलेज नहीं होने के फलस्वरूप स्थानीय छात्रों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। परिषद ने इस प्रकल्प का भी बीड़ा उठाया एवं 'सर्वश्री ज्ञानीराम हरखचन्द सरावगी परिवार' के सौजन्य से 'आर्टस एवं कॉमर्स कॉलेज' का निर्माण किया।

(३) **विद्यालय** : दाताओं के सहयोग से निम्नलिखित तीन विद्यालयों का निर्माण करवाया।

क) "चापटिया बास स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय" का निर्माण करवाया गया। जिसमें वर्तमान में ६९० छात्र शिक्षा लाभ कर रहे हैं।

ख) "गुलेरिया स्थित माध्यमिक विद्यालय" का निर्माण करवाया गया जिसमें ३०० छात्र निरन्तर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

अध्यक्ष
श्री नवरतनमल सुराना

सचिव
श्री भागीरथ चांडक

ग) "डुंगरास स्थित प्राथमिक विद्यालय" बनवाया गया जिसमें भी लगभग १५० छात्र शिक्षा लाभ कर रहे हैं।

(५) **अशोक स्तम्भ** : सुजानगढ़-सालासर-छापर मार्ग पर एक अति सुन्दर सुसज्जित अशोक स्तम्भ का निर्माण श्री जँवरीमल चोरड़िया के सौजन्य से करवाया गया, जिसका अभिनव स्वरूप आगत अतिथियों का अभिनन्दन करता है।

(६) **शीतल जल प्याऊ** : अशोक स्तम्भ के निकट ही सालासर मार्ग पर श्री मोहनलाल बाँठिया के सौजन्य से शीतल जल की प्याऊ का निर्माण करवाया गया।

(७) **सभा मंच** : गांधी चौक स्थित सभा मंच का निर्माण डोसी परिवार के सर्वश्री तनसुखलाल, मोहनलाल, कन्हैयालाल डोसी के सौजन्य से करवाया गया।

(८) **श्मशान घाट का जीर्णोद्धार** : चापटिया वास हरिजन बस्ती स्थित श्मशान घाट में जलावन सामग्री सुरक्षित रखने हेतु एक कमरे का निर्माण करवाया गया एवं आगत शव-यात्रियों की सुविधा हेतु एक विश्रामालय भी बनवाया गया।

(९) समय-समय पर टाइप कोचिंग क्लासेज, जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति भी दी गई।

(१०) अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों के घरों का पुनः निर्माण भी करवाये गये।

(११) युद्ध में शहीद हुवे जवानों के परिवारों को आर्थिक सहायता भी दी गई।

(१२) वर्तमान में सुजानगढ़ में जरूरतमन्द परिवारों के कन्याओं के विवाह हेतु अनेक वस्तु विशेष द्वारा सहायता दी गई है एवं जरूरतमन्द महिलाओं को रोजगार हेतु सिलाई मशीनें वितरित की गई हैं।

(१३) सुजानगढ़ नागरिक परिषद के अध्यक्ष श्री नवरतनमल सुराना के प्रयास से ट्रस्ट द्वारा गोपाल गौशाला में ढाणों का पुनः निर्माण हुआ।

समाज में शादी-विवाह दिन मे हो

– डॉ. जुगल किशोर सराफ
अध्यक्ष, समाज सुधार समिति

मारवाड़ी समाज में समाज सुधार का कार्य हमारे पूर्वजों के अथक प्रयास से निरंतर गतिशील रहा है। इसी कारण हमारा समाज पर्दा प्रथा, बाल विवाह, आदि कुरीतियों से बाहर निकल पाया है। समाज सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है। क्योंकि समय समय पर नये-नये मान्यताएँ एवं उनमे नीहित हमारी बदलती मानसिकता समस्या बन कर समाज के सामने मुँह बाये खड़ी हो जाती है।

हमारे शादी-विवाह के अवसर पर जो आडम्बर एवं फिजूलखर्ची होती है, उससे हम सभी ज्ञात हैं। शादी-विवाह के अवसर पर सड़कों पर नाच-गाना बहुत पहले बंद कर दिया गया था। फिर भी कहीं-कहीं पर यह फिर से पनप रहा है। हमारे शादी विवाह रात में सम्पन्न होते है। दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब में आज भी शादियाँ सुबह में ही सम्पन्न होती हैं। दिन में शादी विवाह सम्पन्न करने के बहुत से लाभ है। आज कन्या पक्ष खर्च करने को मजबूर है। पैसों के बल पर शादी-विवाह अंजाम हो रहे हैं। संबंधो का महत्व कम होता जा रहा है। खान-पान एवं संस्कार ताक पर रख दिया जाता है। जिस तरह आज शादी विवाह सम्पन्न हो रहे हैं उसमे कैटरर एवं होटलवालों की बन आई है। खाने-पीने में शुद्धता नही रह गई है। सिर्फ धन को महत्व दिया जाता है। किसी राजस्थानी कवि ने इन शब्दों में आज की परीस्थिति को बयान किया है :-

समझदार और पढयो लिख्यो आपांको सभ्य समाज।
शादी ब्याँव में लाखों और करोड़ों खरचे आज।।
करोड़ों खरचे आज, नाक सब ऊँची रखणी चावे।
कुरीत्याँ के दळदळ मांही सगला धँसता जावे।।
'होटल' और 'रिसोर्ट' मे जद सुं होवण लागी शादी।
आंधा होकर लोग करे है, पैसा री बरबादी।।
पैसा री बरबादी, सब ठेके सुं होवे काम।
'इवेंट मेनेजमेंट' वाला ने चुकावे दुगुणा दाम।।
'केटरिंग' वालां को चोखो चाल पड्यो व्यापार।
छोटा मोटा रसोईया भी बणगया ठेकेदार।।
बणगया ठेकेदार, प्लेटाँ गिण गिण कर के देवे।
खड़ा खड़ा जिमावे और मुहमांग्या पैसा लेवे।।
ब्याँव रा नूंता रो मैसेज 'मोबाइल' मे आग्यो।
'कुंकुंपत्री' देवण जाणो दोरो लागण लाग्यो।।
दोरो लागण लाग्यो, घर घर कुणतो धक्का खावे।
पाड़ोसी रो कार्ड भी 'कुरियर' सुं भिजवावे।।
'जीमण' में भी करणे लाग्या आईटम बेशुमार।
आधे से ज्यादा खाणों तो जावे है बेकार।।
जावे है बेकार, जिमावण ताँई वेटर लावे।
'मेकअप' करोड़ी दो चार, 'सर्विस गर्ल' बुलावे।।
गीत गावणे की रीतां तो अजकळ सारी मिटगी।
'संगीत संध्या' तक ही अब, सगळी बात सिमटगी।।
सगळी बात सिमटगी, उठग्या सारा नेगचार।
सग्गा और प्रसंग्याँ की भी नहीं हुवे मनुहार।।

शादियाँ टूटने लगी है। तलाक की संख्या बढ़ रही है। परिवार की अवधारणा खतरे मे हैं। इस प्रकार की स्थिति में समाज को बिघटन से बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने की आवश्यकता है। आडम्बर एवं दिखावे से समाज की छवि धूमिल होती है।

आपाँणी 'संस्कृती' को देखो, पतन हो गयो सारो।
देखादेखी भेड़ चाल में, गरीब मरे बिचारो।।
कहे कविराज भायाँ, कोई तो करो सुधार।
डूब रही 'समाज' री नैया, कुण थामे पतवार।।

देश के अन्य भागों की तरह हमे भी दिन में ही विवाह सम्पन्न करने चाहिए। सुबह शादी विवाह होने से आडम्बर, दिखावा एवं मद्यपान से मुक्ति मिल जायगी। समाज के सभी बंधुओं को विशेषकर सम्पन्न वर्ग को इस विषय में सोचने एवं आगे आने की नितांत आवश्यकता है। सम्मेलन ने इस संबध में कई बार निर्णय लिया था, जो कि समाज विकास में प्रत्येक माह प्रकाशित किया जाता है। इसको लागू करने में सभी को आगे आना चाहिए।

शास्त्रों के अनुसार रात्रि में विवाह राक्षसो का होता है, और मुगल युग में जबरन लड़कियों को शादी मंडप से उठाकर ले जाने की वजह से बाध्य होकर रात्रि के अंधेरे में शादिया शुरु हुई जो तुरंत बंद होना अति आवश्यक है, इससे बच्चों की नई जिन्दगी में देवताओं द्वारा बहुत शुभ आशिर्वाद प्राप्त होगा।

विविध

जीवन का मूल्य

एक आदमी ने भगवान बुद्ध से पूछा : जीवन का मूल्य क्या है?

बुद्ध ने उसे एक stone दिया और कहा : जा और इस stone का मूल्य पता करके आ, लेकिन ध्यान रखना stone को बेचना नही है।

वह आदमी stone को बाजार में एक संतरे वाले के पास लेकर गया और बोला : इसकी कीमत क्या है?

संतरे वाला चमकीले stone को देखकर बोला, "12 संतरे लेजा और इसे मुझे दे जा"

आगे एक सब्जी वाले ने उस चमकीले stone को देखा और कहा "एक बोरी आलू ले जा और इस stone को मेरे पास छोड़ जा"

आगे एक सोना बेचने वाले के पास गया उसे stone दिखाया सुनार उस चमकीले stone को देखकर बोला, "50 लाख मे बेच दे"।

उसने मना कर दिया तो सुनार बोला "२ करोड़ में दे दे या बता इसकी कीमत जो माँगेगा वह दूँगा तुझे..

उस आदमी ने सुनार से कहा मेरे गुरू ने इसे बेचने से मना किया है।

आगे हीरे बेचने वाले एक जौहरी के पास गया उसे stone दिखाया।

जौहरी ने जब उस बेसकीमती रुबी को देखा, तो पहले उसने रुबी के पास एक लाल कपडा बिछाया फिर उस बेसकीमती रुबी की परिक्रमा लगाई, माथा टेका।

फिर जौहरी बोला, "कहा से लाया है ये बेसकीमती रुबी? सारी कायनात, सारी दुनिया को बेचकर भी इसकी कीमत नही लगाई जा सकती, ये तो बेसकीमती है।"

वह आदमी हैरान परेशान होकर सीधे बुद्ध के पास आया। अपनी आप बीती बताई और बोला "अब बताओ भगवान, मानवीय जीवन का मूल्य क्या है?

बुद्ध बोले :

संतरे वाले को दिखाया उसने इसकी कीमत "12 संतरे" की बताई।

सब्जी वाले के पास गया उसने इसकी कीमत "1 बोरी आलू" बताई।

आगे सुनार ने "2 करोड़" बताई। और जौहरी ने उसे "बेसकीमती" बताया।

अब ऐसा ही मानवीय मूल्य का भी है।

तू बेशक हीरा है..। लेकिन, सामने वाला तेरी कीमत,

अपनी औकात - अपनी जानकारी - अपनी हैसियत से लगाएगा।

घबराओ मत दुनिया में.. तुझे पहचानने वाले भी मिल जायेंगे।

लक्ष्मीजी कहाँ रहती हैं?

एक बूढें सेठ थे। वे खानदानी रईस थे, धन-ऐश्वर्य प्रचुर मात्रा में था परंतु लक्ष्मीजी का तो है चंचल स्वभाव। आज यहाँ तो कल वहाँ।

सेठ ने एक रात को स्वप्न में देखा कि एक स्त्री उनके घर के दरवाजे से निकलकर बाहर जा रही है।

उन्होंने पूछा : "हे देवी आप कौन हैं? मेरे घर में आप कब आयीं और मेरा घर छोडकर आप क्यों और कहाँ जा रही हैं?"

वह स्त्री बोली : "मैं तुम्हारे घर की वैभव लक्ष्मी हूँ। कई पीढीयों से मैं यहाँ निवास कर रही हूँ किन्तु अब मेरा समय यहाँ पर समाप्त हो गया है इसलिए मैं यह घर छोड़कर जा रही हूँ। मैं तुम पर अत्यंत प्रसन्न हूँ क्योंकि जितना समय मैं तुम्हारे पास रही, तुमने मेरा सदुपयोग किया। संतों को घर पर आमंत्रित करके उनकी सेवा की, गरीबों को भोजन कराया, धर्मार्थ कुएँ-तालाब बनवाये, गौशाला व प्याऊ बनवायी। तुमने लोक-कल्याण के कई कार्य किये। अब जाते समय मैं तुम्हें वरदान देना चाहती हूँ। जो चाहे मुझसे माँग लो।

सेठ ने कहा : "मेरी चार बहुएँ है, मैं उनसे सलाह-मशवरा करके आपको बताऊँगा। आप कृपया कल रात को पधारें।

सेठ ने चारों बहुओं से सलाह ली। उनमें से एक ने अन्न के गोदाम तो दूसरी ने सोने-चाँदी से तिजोरियाँ भरवाने के लिए कहा। किन्तु सबसे छोटी बहु धार्मिक कुटुंब से आयी थी। बचपन से ही सत्संग में जाया करती थी।

उसने कहा : "पिताजी। लक्ष्मीजी को जाना है तो जायेंगी ही और जो भी वस्तुएँ हम उनसे माँगेंगे वे भी सदा नहीं टिकेंगी। यदि सोने-चाँदी, रुपये-पैसों के ढेर माँगेंगे तो हमारी आनेवाली पीढी के बच्चे अहंकार और आलस्य में अपना जीवन बिगाड देंगे। इसलिए आप लक्ष्मीजी से कहना कि वे जाना चाहती हैं तो अवश्य जायें किन्तु हमें यह वरदान दें कि हमारे घर में सज्जनों की सेवा-पूजा, हरि-कथा सदा होती रहे तथा हमारे परिवार के सदस्यों में आपसी प्रेम बना रहे क्योंकि परिवार में प्रेम होगा तो विपत्ति के दिन भी आसानी से कट जायेंगे।

दूसरे दिन रात को लक्ष्मीजी ने स्वप्न में आकर सेठ से पूछा : "तुमने अपनी बहुओं से सलाह-मशवरा कर लिया? क्या चाहिए तुम्हें?

सेठ ने कहा : हे माँ लक्ष्मी। आपको जाना है तो प्रसन्नता से जाइये परंतु मुझे यह वरदान दीजिये कि मेरे घर में हरि-कथा तथा संतो की सेवा होती रहे तथा परिवार के सदस्यों में परस्पर प्रेम बना रहे।

Colourful, sturdy whiter cups and saucers. Something beautiful that brings out the best in your everyday.

Diva®

from LA OPALA®

Scratch Resistance | Microwave Safe | Break Resistant | Toughened Extra Strong | Super White | Super Light | Bone Ash Free 100% Vegetarian

La Opala RG Limited (Corporate Office)
Chitrakoot 10th Floor 230A AJC Bose Road Kolkata 700020
P 033 6503 6656/7/8/9

Corporate Enquiries 090510 51011 | **E** info@laopala.in | www.laopala.in

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

यह सुनकर लक्ष्मीजी चौंक गयीं और बोलीं : "यह तुमने क्या माँग लिया। जिस घर में हरि-कथा और संतो की सेवा होती हो तथा परिवार के सदस्यों में परस्पर प्रीति रहे वहाँ तो साक्षात् नारायण का निवास होता है और जहाँ नारायण रहते हैं वहाँ मैं तो उनके चरण पलोटती (दबाती) हूँ और मैं चाहकर भी उस घर को छोड़कर नहीं जा सकती। यह वरदान माँगकर तुमने मुझे यहाँ रहने के लिए विवश कर दिया है।

मां-बाप की सेवा सर्वोपरि

एक बेटा अपने वृद्ध पिता को रात्रि भोज के लिए एक अच्छे रेस्टॉरेंट में लेकर गया। खाने के दौरान वृद्ध पिता ने कई बार भोजन अपने कपड़ों पर गिराया।

रेस्टोरेंट में बैठे दूसरे खाना खा रहे लोग वृद्ध को घृणा की नजरों से देख रहे थे लेकिन वृद्ध का बेटा शांत था।

खाने के बाद बिना किसी शर्म के बेटा, वृद्ध को वॉश रूम ले गया। उसके कपड़े साफ किये, उसका चेहरा साफ किया, उसके बालों में कंघी की, चश्मा पहनाया और फिर बाहर लाया। सभी लोग खामोशी से उन्हें ही देख रहे थे। बेटे ने बिल का भुगतान किया और वृद्ध के साथ बाहर आने लगा। तभी डिनर कर रहे एक अन्य वृद्ध ने बेटे को आवाज दी और उससे पूछा "क्या तुम्हे नहीं लगता कि यहाँ अपने पीछे तुम कुछ छोड़ कर जा रहे हो??"

बेटे ने जवाब दिया "नहीं सर, मैं कुछ भी छोड़ कर नही जा रहा।"

वृद्ध ने कहा - बेटे, तुम यहाँ छोड़ कर जा रह हो, प्रत्येक पुत्र के लिए एक शिक्षा (सबक) और प्रत्येक पिता के लिए उम्मीद (आशा)।

दोस्तो आमतौर पर हम लोग अपने बुजुर्ग माता पिता को अपने साथ बाहर ले जाना पसँद नही करते। और कहते है क्या करोगे, आप से चला तो जाता नही ठीक से, खाया भी नही जाता, आपतो घर पर ही रहो वही अच्छा होगा।

क्या आप भूल गये जब आप छोटे थे और आप के माता पिता आप को अपनी गोद मे उठा कर ले जाया करते थे। आप जब ठीक से खा नही पाते थे तो माँ आपको अपने हाथ से खाना खिलाती थी और खाना गिर जाने पर डाँट नही प्यार जताती थी।

फिर वही माँ बाप बुढापे मे बोझ क्यो लगने लगते है??? माँ बाप भगवान का रूप होते है उनकी सेवा कीजिये और प्यार दीजिये...

क्योकि एक दिन आप भी बुढें होगे फिर अपने बच्चो से सेवा की उम्मीद मत करना।

AGARWAL MARRIAGE BUREAU

SANTOSH KAUSHIK (Proprietor)

Mo: +91 9831014505

+91 9674805683

E-mail: smbpltd@gmail.com/santoshkaushik505@gmail.com

HEAD OFFICE :

29, Ganesh Chandra Avenue, 4th Floor

Room No. 401, Kolkata - 700013

Tele : (033) 40034763

Mo: +91 8336971412

BRANCH OFFICE :

13, Kamal Kunj, Poddar Road, Malad (E) Mumbai-400 097

Mo : +91 8336971413

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री अश्वनी कुमार लोहिया
मे. स्लेखा डिजाईनर प्रा. लि.
१५५/ए, महात्मा गांधी रोड
गोविन्द भवन के पिछे
कोलकाता - ७००००७
मो: ९८३११५१५९३

श्री सरोज कुमार पोद्दार
मे. एडवेंट्ज ग्रुप
हांगकांग हाऊस
३१, बी. बी. डी. बाग (साउथ)
कोलकाता - ७००००१

संरक्षक सदस्य

श्री नरेन्द्र कुमार सरावगी
मे. अम्बुश्री टेक्सटाईल प्रा. लि.
१३बी, दिगम्बर जैन टेम्पल रोड
चिनी पट्टी, द्वितीय तल
कोलकाता - ७००००७
मो : ९८३१०२३७६७

श्री शिव कुमार चौधरी
३३, विवेकानन्द रोड
कोलकाता - ७००००७
मो: ९८३०१३१२३०

श्री गिरधारी लाल गोयनका
मे. गोल्डन गोयनका क्रेडिट प्रा. लि.
मर्लिन चेम्बर
१८, ब्रिटीश इंडियन स्ट्रीट
तीसरा तल, कमरा नं. ३०५
कोलकाता - ७०००६९

श्री विजय ढाँढनिया
मे. मोहरी देवी सेवा निधी
४, मिडलटन स्ट्रीट
कोलकाता - ७०००७१
मो: ९८३००६८६८८

श्री विवेक गोयल
मे. नरेश रेडियो कार्पोरेशन
१ नं. मदन स्ट्रीट
कोलकाता - ७०००७२
मो: ९८३००१८०२२

श्री राज कुमार अग्रवाल
मे. कलकत्ता स्टील इण्डस्ट्रीज
१८, आर. एन. मुखर्जी रोड
पांचवाँ तल, कोलकाता - ७००००१
मो: ९८३००५२५३६

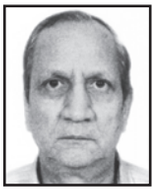

श्री आत्मा राम गोयल
मे. नरेश रेडियो कार्पोरेशन
१, नं. मदन स्ट्रीट
कोलकाता - ७०००७२
मो : ९८३०५६९०००

श्री रामकृष्ण अग्रवाल
मे. आर. के. ए. एडवाईजरी
सर्विसेज प्रा. लि.
द चेम्बर, रूम नं. १०६ एवं १०७
१म तल, १८६५, राजडांगा मेन रोड
कोलकाता - ७००१०७
मो : ९८३१०८२२९१

AT
ANU®
SAREES

With Best Compliments from :

Ganpati Industrial Pvt. Ltd.

(Re-Roller & Manufacturer of Railway Track Materials)

Regd. Office :
'Nicco House', 3rd Floor
2, Hare Street
Kolkata - 700 001
Tel : 033 2248 4772/0675/0695
Fax : 033 2248 1877
E-mail: sales@jekay.com

Website: www.jekay.com

Factory :
Plot No. 65 & 66
Urla Industrial Area, Sector-C
Raipur-493 221 (C.G.)
Tel: 0771 4212 511/512/514
Fax No. 0771 4212 555

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

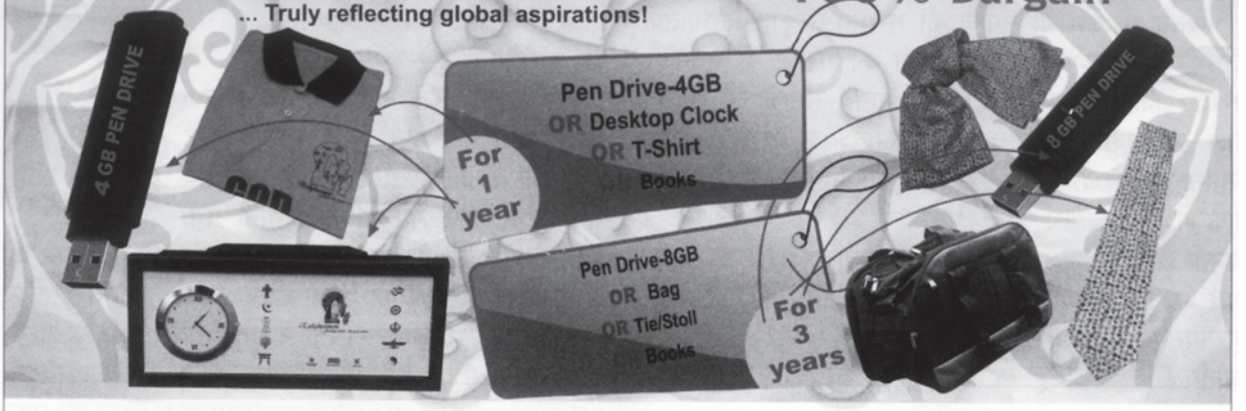

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District: _____

State: _____ Country: _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. **#MBA + PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. **#BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA+ PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. **#BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA (Hospital Mgmnt.)** ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW ▲ APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty ● Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes ● Hostel
- AC Classrooms ● P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English ▲ Foreign Languages ▲ Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development ▲ Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship • Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
- Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
- Certificate Course on Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Vocational & Technical Training
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 15th November 2016
RNI Regd. No. 2868/68

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com